ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 15-09-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-15 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-09-16	2026-09-17	2026-09-18	2026-09-19	2026-09-20
वर्षा (मिमी)	10.0	15.0	20.0	10.0	7.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	27.0	26.0	27.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	14.0	15.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	90	90	83
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	67	62	60	54	53
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	3	3	3	6
पवन दिशा (डिग्री)	140	110	130	300	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	4	5	4	2
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में इस इलाके में 7-20 मिमी हल्की बारिश होने की उम्मीद है, और तापमान अधिकतम 26-28°C और न्यूनतम 14-16°C रहने का अनुमान है। हवा दक्षिण-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-उत्तर दिशाओं से 3-6 किमी प्रति घंटा की रफ़्तार से चलने की संभावना है। 15 और 16 सितंबर को कुछ जगहों पर बिजली कड़कने और तेज़ बारिश के साथ आंधी-तूफान की संभावना को देखते हुए 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है। आने वाला हफ़्ता गर्म रहने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई खास चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई असर नहीं

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और खेती से जुड़ी सलाह पाने के लिए "मौसम" और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान में 11.09.2026 से 17.09.2026 के

दौरान सामान्य बारिश और अधिकतम व न्यूनतम तापमान का ट्रेंड दिखाया गया है। एनडीवीआई वैल्यू ज़िले में खेती की अच्छी से बहुत अच्छी स्थिति दिखाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, आने वाला हफ़्ता सूखा रहने और कुछ ही दिन बारिश होने की उम्मीद है, इसलिए किसी भी केमिकल का छिड़काव आने वाले हफ़्ते के लिए तय किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	मध्यम ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में धान की फसल में बीमारी या कीटों की निगरानी करते रहें। अगर बैक्टीरियल ब्लाइट के लक्षण दिखें, तो प्रति हेक्टेयर 1000 लीटर पानी में 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन और 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड मिलाकर छिड़काव करें। यह छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पर किया जाना चाहिए। अगर तना छेदक कीट का हमला नुकसान की सीमा से ज़्यादा हो, तो मौसम साफ रहने पर क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 20 एससी (150 मिली/हेक्टेयर) या क्लोरपायरीफॉस 20 इसी (500-600 लीटर पानी/हेक्टेयर) का छिड़काव करें। आम कीट जैसे ब्राउन प्लांट हॉपर के मामले में, किसानों को प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी में 1000 मिली फिप्रोनिल 5 एससी या 100 ग्राम थियामेथोक्सम 25 डब्लूएसजी मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास किया जाना चाहिए। सभी केमिकल छिड़काव मौसम का पूर्वानुमान ध्यान में रखकर करें और खेतों में पानी की सही निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
मक्का	ऊंचे पहाड़ी इलाकों में फसल की ठीक से निगरानी करें और भुट्टे बनते समय खेत में नमी का सही स्तर बनाए रखें। झुलसा रोग (ब्लाइट) दिखने पर प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में 1.5-2.0 किलोग्राम मैन्कोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लूपी का छिड़काव करें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर किया जाना चाहिए। छिड़काव का सारा काम साफ मौसम में ही करना चाहिए। मक्के की जल्दी पकने वाली किस्मों की कटाई करके उन्हें अच्छी तरह से स्टोर करें। खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
रागी	देर से पकने वाली बाजरे की किस्मों में फसल पर नज़र रखें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुँचाता है। इससे बचाव के लिए, प्रभावित हिस्से पर 500-600 लीटर पानी में घुली हुई 1 लीटर फिप्रोनिल 5 एससी या 2.5 लीटर क्लोरपायरीफास 20 इसी का छिड़काव करें। खेती से जुड़े सभी काम साफ़ मौसम में ही करने चाहिए। पक चुकी बाजरे की किस्मों की कटाई कर लेनी चाहिए। खेत में पानी की सही निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए और कटी हुई फ़सल को अच्छी तरह से स्टोर करना चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	फलियाँ लगने के समय खेत में मिट्टी की नमी सही बनाए रखनी चाहिए, इसलिए ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। फली छेदक कीट (pod borer) दिखने पर, फूल आने के समय खेत में 5-6 फेरोमोन ट्रैप प्रति हेक्टेयर लगाएं। अगर लगातार दो-तीन दिनों तक हर ट्रैप में 5-6 पतंगे दिखें, तो इनमें से किसी एक दवा का इस्तेमाल करें: एनपीवी 500 बोरर इक्विवेलेंट के दर से बी. टी. 1 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से, निम्बोली 5% + 1% साबुन का घोल, और इंडोक्साकार्ब 14.5 ईसी 353-400 मिलीलीटर या एमामेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम या स्पिनोसैड 45 एससी 125-162 मिलीलीटर/हेक्टेयर। छिड़काव का सारा काम साफ़ मौसम में किया जाना चाहिए। खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
सोयाबीन	फसल की नियमित निगरानी करें और अगर तना मक्खी का प्रकोप दिखे, तो 700-800 लीटर पानी में 150 मिली क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी मिलाकर छिड़काव करें। यह दवा गर्डल बीटल के लिए भी असरदार है। छिड़काव का काम साफ मौसम में ही करना चाहिए। खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
काला चना	पौधे की बढ़वार के समय फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। बुवाई के बाद आखिरी महीने में निराई-गुड़ाई का काम करना चाहिए और मिट्टी में नमी का सही स्तर बनाए रखना चाहिए। सफ़ेद मक्खी से फैलने वाले 'येलो मोज़ेक वायरस' के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 'पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। छिड़काव का सारा काम साफ़ मौसम में ही करना चाहिए। खेत में पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।
मूँग	पौधे की बढ़वार के समय फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। बुवाई के बाद आखिरी महीने में निराई-गुड़ाई का काम करना चाहिए और मिट्टी में नमी का सही स्तर बनाए रखना चाहिए। सफ़ेद मक्खी से फैलने वाले 'येलो मोज़ेक वायरस' के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 'पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। छिड़काव का सारा काम साफ़ मौसम में ही करना चाहिए। खेत में पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	पौधे लगाने के चार से छह हफ़्ते बाद हल्की गुड़ाई करनी चाहिए और जड़ों के पास मिट्टी चढ़ानी चाहिए। खरपतवार को केमिकल से कंट्रोल करने के लिए, पौधे लगाने से एक दिन पहले 1.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से फ्लुक्लोरालिन का इस्तेमाल करना चाहिए। छिड़काव का सारा काम साफ़ मौसम में ही करना चाहिए। पानी की निकासी का सही इंतज़ाम होना चाहिए।
मूली	मूली की फसल में, अगर मिट्टी सूखी हो तो बुवाई के तुरंत बाद और 3-4 पत्तियां निकलने के समय खेत में नमी बनाए रखनी चाहिए।
गाजर	बीज अंकुरित होने के बाद नियमित रूप से खरपतवार निकालते रहना चाहिए और पौधों के बीच 6-10 सेंटीमीटर की दूरी बनाए रखनी चाहिए। खेती से जुड़े काम साफ़ मौसम में ही करने चाहिए।
बाकला	इस महीने में बुवाई की जा सकती है। खेती से जुड़े सभी काम साफ़ मौसम के दौरान किए जाने चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	15 दिनों के बाद बछड़ों को कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक, आयरन, आयोडीन और कॉपर जैसे तत्व नमक के मिश्रण या मिनरल ड्रॉप्स के रूप में खिलाने चाहिए।
भेंस	'फूट-रॉट' बीमारी से बचाव के लिए, जानवरों के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण इलाकों में बकरियों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।
भेड़	ग्रामीण इलाकों में भेड़ों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई खास असर नहीं

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई खास असर नहीं

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details

